भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 4449

दिनांक 28 मार्च, 2023 के लिए प्रश्न

पशुधन गणना

4449. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पशुधन गणना कराई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान गणना की तुलना वर्ष 2012 में की गई गणना से किस प्रकार की जा सकती है;

(ग) पशुओं की कितनी प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं और अन्य महत्वपूर्ण निष्कर्ष, यदि कोई हों, तो क्या हैं;

(घ) क्या सरकार का पशुपालकों/गौशालाओं को वहनीय/राजसहायता प्राप्त दरों पर पौष्टिक पशु आहार प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) यदि नहीं, तो क्या सरकार द्वारा उसी प्रकार पौष्टिक पशु आहार उपलब्ध कराने का प्रावधान किए जाने की संभावना है जिस प्रकार लोगों को वहनीय दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराये जाते हैं; और

(च) देश में मवेशियों की संख्या बढ़ाने और उनकी नस्ल में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख): जी, हां, सरकार ने वर्ष 2019 में 20वीं पशुधन संगणना कराई है। इसमें गोपशु, भैंस, मिथुन, याक, भेड़, बकरी, सुअर, घोड़ा, टट्टू, खच्चर, गधा ऊंट, कुत्ता, खरगोश और हाथी जैसी कुल 16 पशु प्रजातियों की 184 नस्लों तथा परिवारों, पारिवारिक उद्यमों/गैर-पारिवारिक उद्यमों और संस्थानों द्वारा उनके स्थल पर रखे गए कुक्कुट पक्षियों (फॉउल, बत्तख, टर्की और अन्य कुक्कुट पक्षी) को शामिल किया गया है। विभाग वर्ष 2024 के लिए निर्धारित अगली पशुधन संगणना भी आरम्भ कर रहा है। 20वीं पशुधन संगणना के अनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार पशुधन और कुक्कुट आबादी **अनुबंध-1** में दी गई है।

पूर्व में वर्ष 2012 में आयोजित संगणना की तुलना में प्रमुख पशुधन आबादी और कुक्कुट का प्रतिशत परिवर्तन नीचे दिया गया है।

वर्ग	19वीं पशुधन संगणना-2012 के अनुसार (मिलियन में)	20वीं पशुधन संगणना-2019 के अनुसार (मिलियन में)	% परिवर्तन*
गोपशु	190.90	193.46	1.34
भैंस	108.70	109.85	1.06
भेड़	65.07	74.26	14.13
बकरी	135.17	148.88	10.14
सुअर	10.29	9.06	-12.03
अन्य पशु	1.92	1.24	-35.42
कुल पशुधन	**512.06**	**536.76**	4.82
कुल कुक्कुट	**729.21**	**851.81**	16.81

अन्य पशुओं में मिथुन, याक, घोड़े और टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट शामिल हैं

*प्रतिशत परिवर्तन की गणना एबसोल्यूट वैल्यू पर की जाती है

(ग): विभिन्न पशुधन और कुक्कुट प्रजातियों की 184 नस्लों में से 38 देशी नस्लें 'खतरे में' हैं। पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी), मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय (एमओएफएएचडी), भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 के दौरान प्रकाशित पशुधन और कुक्कुट की नस्ल-वार रिपोर्ट (20वीं पशुधन संगणना के आधार पर) में उल्लिखित आबादी के आधार पर खतरे की स्थिति का आकलन किया गया है। इनमें से 19 देशी नस्लों (50%) के जर्मप्लाज्म को आईसीएआर-एनबीएजीआर के राष्ट्रीय जीन बैंक में क्रायोप्रिजर्व किया गया है।

(घ) और (ङ): पशुपालन राज्य का विषय होने के कारण, विभिन्न राज्यों ने पशुधन के लिए सब्सिडीयुक्त आहार और चारा उपलब्ध कराने के लिए अपने स्वयं के कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं। यह मंत्रालय राज्य सरकारों द्वारा उनकी उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से किए गए प्रयासों को संपूरित कर रहा है। इसके अलावा, कुल मिश्रित राशन उत्पादन, हे, साइलेज और चारा ब्लॉक बनाने वाली इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के लिए इस मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित केंद्र प्रायोजित योजना, 'राष्ट्रीय पशुधन मिशन' के तहत भी प्रावधान हैं, जिससे किसानों के लिए पशु चारे की उपलब्धता और खरीदने की सामर्थ्य को सुकर बनाया जाता है। सब्सिडी दो समान किस्तों में 50 लाख रुपये तक, कुल परियोजना लागत का 50% होगी।

(च): भारत सरकार वर्ष 2014 से देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाईन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन तथा दुग्ध उत्पादन और बोवाईन उत्पादकता में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) का कार्यान्वयन कर रही है। योजना की मुख्य विशेषताएं हैं:

(i) उन्नत तकनीकों का उपयोग करके बोवाईन उत्पादकता में वृद्धि करना और दूध उत्पादन को धारणीय तरीके से बढ़ाना

(ii) प्रजनन उद्देश्यों के लिए उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाले सांडों के उपयोग का प्रचार करना

(iii) प्रजनन नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण और किसानों के द्वार पर कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं की प्रदायगी के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना

(iv) वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी गोपशु और भैंस पालन और संरक्षण को बढ़ावा देना।

*****

अनुबंध- I

20वीं पशुधन संगणना के अनुसार पशुधन और कुक्कुटों की राज्यवार संख्या (आंकड़े संख्या में)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पशुधन 2019	कुक्कुट 2019
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	145394	1289160
2	आंध्र प्रदेश	34067616	107863152
3	अरुणाचल प्रदेश	1161428	1599575
4	असम	18092201	46712341
5	बिहार	36540820	16525349
6	चंडीगढ़	26990	48883
7	छत्तीसगढ	15872302	18711824
8	दादरा और नगर हवेली	48404	89671
9	दमन और दीव	3284	18264
10	दिल्ली	360397	43831
11	गोवा	132406	349543
12	गुजरात	26893274	21773392
13	हरियाणा	7046091	46294965
14	हिमाचल प्रदेश	4412846	1341951
15	जम्मू और कश्मीर	8325324	7366308
16	झारखंड	23614545	24832906
17	कर्नाटक	29013412	59494481
18	केरल	2908657	29771905
19	लक्षद्वीप	45697	226025
20	मध्य प्रदेश	40637375	16659898
21	महाराष्ट्र	33079818	74297765
22	मणिपुर	550719	5897637
23	मेघालय	2039103	5379532
24	मिजोरम	359704	2047810
25	नागालैंड	553803	2838944
26	ओडिशा	18170309	27439257
27	पुदुचेरी	151368	235999
28	पंजाब	7050355	17649984
29	राजस्थान	56800945	14622975
30	सिक्किम	274332	580864
31	तमिलनाडु	24500621	120781100
32	तेलंगाना	32640639	79999404
33	त्रिपुरा	1317892	4168246
34	उत्तर प्रदेश	68012945	12515704
35	उत्तराखंड	4427089	5018684
36	पश्चिम बंगाल	37483238	77322602
	अखिल भारतीय	**536761343**	**851809931**